CHAPTER 17: काव्य-बादल को घिरते देखा है[नागार्जुन]

PAGE 166, अभ्यास

11:17:1: प्रश्न-अभ्यास:1

1. इस कविता में बादलों के सौंदर्य चित्रण के अतिरिक्त और किन दृश्यों का चित्रण किया गया है?

उत्तर- इस कविता में निम्नलिखित दृश्यों का चित्रण है :

(क) ओस की बूंदों को कमलों पर गिरने के दृश्य का चित्रण।

(ख) हिमालय में विद्‌यमान झीलों पर हंसो के तैरने का दृश्य।

(ग) वसंत ऋतू के सुन्दर सुबह के दृश्य का चित्रण।

(घ) चकवा-चकवी का सुबह मिलने के दृश्य का चित्रण।

(ङ) कस्तूरी हिरण के भगाने के दृश्य का चित्रण।

(च) किन्नर तथा किन्नरियों के दृश्य का चित्रण।

11:17:1: प्रश्न-अभ्यास:2

2. प्रणय-कलह से कवि का क्या तात्पर्य है?

उत्तर- प्रणय-कलह कवि का तात्पर्य प्रेम रूपी झगडे से है। इस झगड़े में कड़वाहाट की जगह प्रेम शामिल है। यह दो प्यार करने वाले जोड़ों के बीच प्यार की लड़ाई है। कविता चकवा और चकवी के बीच इस प्रेम-विवाद को दर्शाती है।

11:17:1: प्रश्न-अभ्यास:3

3. कस्तूरी मृग के अपने पर ही चिढ़ने के क्या कारण हैं?

उत्तर- कस्तूरी मृग अपने पूरे जीवन में कस्तूरी गंध के खोज में रहता है। उसे इस तथ्य का ज्ञान नहीं है कि कस्तूरी उसकी नाभि में है। जब वह खोजते-खोजते थक जाता है, तो चिढ़ जाता है। वह अपनी असमर्थता के कारण परेशान हो जाता है।

11:17:1: प्रश्न-अभ्यास:4

4. बादलों का वर्णन करते हुए कवि को कालिदास की याद क्यों आती है?

उत्तर- कालिदास एक कवि हैं जिन्होंने बादल को अपने काम 'मेघदूत' में एक दूत के रूप में चित्रित किया। धनपति कुबेर द्‌वारा एक यक्ष को भगा दिया गया था। उसने यक्ष ने मेघ को दूत बनाकर अपने प्रिय को संदेश भेजा। कालिदास ने जिन स्थानों का उल्लेख किया था, उन्हें खोजने के लिए कवि

ने बहुत प्रयास किया। परन्तु कवि उन स्थानों को पा नहीं सका। इस लिए कवि जब भी बादलों का वर्णन करता है उसे कालिदास की याद आ जाती है।

11:17:1: प्रश्न-अभ्यास:5

5. कवि ने 'महामेघ को इंझानिल से गरज-गरज भिड़ते देखा है' क्यों कहा है?

उत्तर- पर्वतीय क्षेत्रों में कैलाश के शिखर पर, कवि ने बादलों के एक समूह को तूफानों से लड़ते देखा है। अक्सर बादलों का समूह तेज हवाओं के साथ टकराते हैं। जिसके कारण आसमान में भयंकर गर्जना होने लगती है। यह दिखाता है की वे लड़ते हैं। इसीलिए कवि ने कहा है महामेघ को झंझानिल से गरज गरज भिड़ते देखा है।

11:17:1: प्रश्न-अभ्यास:6

6. 'बादल को घिरते देखा है' पंक्ति को बार-बार दोहराए जाने से कविता में क्या सौंदर्य आया है? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- इस पंक्ति का उपयोग कवि ने टेक के रूप में किया है। इसलिए इसका उपयोग हर अन्तरा के बाद किया जाता है। इस तरह कविता प्रभावी हो जाती है और उसका मूलभाव

स्पष्ट हो जाता है। इसके प्रयोग से काव्य सौंदर्य में भी आश्चर्यजनक वृद्धि होती है।

11:17:2: योग्यता-विस्तार:2

7. कालिदास के 'मेघदूत' का संक्षिप्त परिचय प्राप्त कीजिए।

उत्तर- 'मेघदूत 'संस्कृति के प्रसिद्ध कवि और नाटककार कालिदास द्वारा रचित है। जैसा कि नाम से पता चलता है, कवि ने मेघ को इसमें एक संदेशवाहक के रूप में प्रयोग किया है। यह एक प्रेमकथा है। इसमें धनपति कुबेर ने एक वर्ष के लिए अपने गृहनगर अलकापुरी से एक यक्ष को निष्कासित कर दिया है । यक्ष दक्षिण दिशा में स्थित रामगिरी के आश्रम में रहने लगता है। वह किसी तरह आठ महीने बिताता है लेकिन जब बारिश आती है तो वह अपनी पत्नी यक्षी के विरह में व्याकुल हो जाता है। ऐसे में वह पत्नी को अपना संदेश भेजना चाहता है। वह मेघ से प्रार्थना करता है और मेघ को विभिन्न स्थानों के बारे में सुचना देता है। उस सुचना से मेघ निश्चित स्थान पर पहुंच सकता है।